अणुविभा जयपुर केन्द्र,

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17

फोन : 91-141 **2724490**,

प्रेस विज्ञप्ति

"स्वच्छ समाज की संरचना का माध्यम है अणुव्रत"

जस्टिस टिबरेवाल

जयपुर, 06 सितम्बर 2009

आचार्य तुलसी युग नायक थे। उन्होंने वैशेश्कि समस्याओं को समझा और उन्होंने अणुव्रत आन्दोलन का प्रारम्भ किया। :क्ति की बात मूल्यों की बात सभी करते है परन्तु वे तब तक सम्भव नहीं है जब तक व्यक्ति स्वयं को न समझे। ये :ब्द पूर्व राज्यपाल जस्टिस नवरंग लाल टिबरेवाल ने मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' के सान्निध्य में समायोजित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अथिति पद से बोलते हुए अणुविभा केन्द्र मालवीय नगर में कहे। अखिल भारतीय अणुव्रत समिति द्वारा समायोजित राश्ट्रीय और अर्न्तराश्ट्रीय क्षेत्रों में आयोजित हो रहा है। स्थानीय अणुव्रत समिति इस सप्ताह की आयोजक संस्था है। इस समारोह की अध्यक्षता चैम्बर और कार्मस के महामंत्री के.एल. जैन ने की। सप्ताह का उद्घटन राजस्थान प्रदेश अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री सम्पत :यामसुखा ने किया। राजस्थान सिविल सर्विस एपलिएट ट्रिब्यूनल के चेयरमैन श्री आर. पी. जैन, प्रो. मोदानी, प्रदेश के महामंत्री श्री मनोहर लाल जी बाफना, श्री कैलाश डागा, श्री शुभकरण चौरड़िया विशिश्ट अथिति के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में इन्दौर, सवाईमाधोपुर, भगवतगढ़, चैन्नई आदि से अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया।

श्री टिबरेवाल ने आगे कहा :- चरित्र बल का निर्माण यदि होता है तो समाज का निर्माण स्वत हो जायेगा अणुव्रत कर्त्तव्य पालन की और सजग करता है। हर व्यक्ति अपने कर्त्तव्य का पालन करने लगे तो समाज में एक व्यापक जनक क्रांति पैदा हो सकती है और अणुव्रत स्वतः जीवन में आचरित हो सकता है।

मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' ने कहा :- अणुव्रत ने समाज में व्यापक जन क्रांति की और उसी का सुफल है व्यक्ति-व्यक्ति की जुबान पर नैतिकता :ब्द पहुंचा और एक क्रांति के रूप में समाज में बदलाव आया। महत्वपूर्ण रहा द्वितीय व पंचवर्शीय योजना में नैतिक :ब्द को जोड़ना पड़ा। 60 वर्श की अणुव्रत यात्रा में लाखों-लाखों लोग अणुव्रत आन्दोलन के साथ जुड़े, करोडो लोगो तक अणुव्रत की आवाज पहुंची। अणुव्रत राश्ट्रीय और अर्न्तराश्ट्रीय समस्याओं का समाधान है। जीवन में नैतिकता है तो समस्यांए पैदा ही नहीं हो सकती। समस्याओं की जड़ अनैतिकता है वरिश्ठ शासन सचिव श्री आर.पी. जैन ने देश का चित्र खिचते हुए ऐसे अनेक उदाहरण प्रस्तुत किये जो सोचनीय ही नहीं चिन्तनीय है। अणुव्रत को पुनः अभियान के रूप में :ुरू किया जाना चाहिए जिससे जड़ता एवं गतिहीनता दूर होगी। चैतना का उर्ध्वारोहण होगा। उद्घाटन भाशण करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री सम्पत :यामसुखा ने कहा स्वच्छ समाज की संरचना का माध्यम है अणुव्रत। अणुव्रत को हम जीवन शैली में परिवर्तीत करें तभी जीवन की सार्थकता होगी एवं राश्ट्र विकास के नये आयाम खोल सकेगा।

इस अवसर पर मनोहर लाल बाफना, मुनिश्री गिरीश कुमारजी ने विचारों की अभिव्यक्ति दी। श्रीमती विमला दुगड़ ने स्वागत भाशण दिया तथा श्रीमती राजश्री कुंडलिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का :ुभारंभ महिला मंडल के अणुव्रत गीत से हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती पुश्पा बैद ने किया।

अणुविभा केन्द्र, जयपुर